Demand from Government to waive of loans of those whose houses have been submerged in the river

श्री रमाशंकर राजभर **(**सलेमपुर**) :** माननीय सभापति महोदय, मैं आदिवासी दिवस, क्रांति दिवस, नागपंचमी, पतैया और पुतरी के त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए, अपनी बात रखना चाहता हूँ ।

घाघरा नदी के कटान से पूरा भोजपुरवा गांव नदी में विलीन हो गया है । घाघरा नदी से खरीदनिपनिया, पुरुषोत्तमपट्टी, बिजलीपुर, सुल्तानपुर, ताहिरपुर, खादीपुर, किशुनपुर, कोटवा, तुर्तीपार, महुआपार, खैरा, दुहा, बिहरा? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आप अपनी मांग रखिए ।

श्री रमाशंकर राजभर **:** बलुआ, अफगान, लक्ष्मीपुर, बांसघाट, घाटी, सरैया खरात आदि गांवों गंडक नदी, खनुआ नदी और घाघरा नदी से लोग प्रताड़ित हैं ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आपकी मांग क्या है?

श्री रमाशंकर राजभर **:** मेरी मांग है कि जिनके घर नदी में विलीन हो गए हैं, सरकार कम से कम उनके कर्ज माफ करे और उनको पुन: बसाया जाए । उनका बिजली बिल भी माफ किया जाए ।